University of Kota, Kota
B.A/ B.Sc./B.Com. –Pt-I
Exam-2013

LIVESTOCK AND DAIRYING

Scheme:			Sc.		Arts/Com.	
	Nomenclature	Dur.	Max./Min. Marks		Max./Min. Marks	
Paper I		3 hrs	75	27	65	24
Paper II		3 hrs	75	27	65	24
Practical		4 hrs	75	27	70	26

Note: Common paper will be set for the faculties of Social Science, Science and Commerce. However the marks obtained by the candidates in the faculty of social science will be converted according to the ratio of the maximum marks of the papers in three faculties.

Paper-I : Principal of Animal Husbandry and Live Stock Management

Duration : 3 hrs. **Max Marks 65 (Arts/Com.)/ 75 (Sc.)**

1. Livestock population of India with social reference of Rajasthan. Distribution of difference categories, Livestock according to the agro climatic condition of the state.
2. Contribution of animals and products in the economy of Rajasthan.
3. Characteristics of the following breeds of livestock : Cattle Tharparker. Haryana. Gir, Nagauri, Rathi, Mewari, Surti, Mehsana. Goats- Sirohi, Alwari, Babri, Jamnapuri, Beetal Marwari, Sheep-Sonodi, Chokla Bikaneri, Marino, Rambullet. Camel –Bikaneri, jaisalmeri, Poultry Phobe Island Rad, White Laghorn White Playmouth Rock.
4. Outline of anatomy of cattle and buffaloes Body temperature, respiration and pules rate.
5. Housing of livestock, location, site, design, construction, arrangement/groupings of different building.
6. General care of the animals grooming, exercise, bathing observation of oestrus, service, care during pregnancy and at pasturing drying off.
7. Care of newly born calf, marking dehorning, casration.
8. Special hints for the management of bulls, goat, sheep and poultry.
9. Livestock farm equipment, sanitary requirement disposal of animal, wounds nevel ill prolapse of uterus and vagina, blot impaction, scour pneumonia,.Mastits.
10. Milk fever Anthrax FMD: HS,RP, Black quarter enterotoxmea.Diarrhea. Common external and internal parasites.
11. Maintenance of farm records.
12. Government assistane and facilities available for livestock.

Paper-II : Principal of Feeding And Breeding Livestock

Note : Common paper will be set for the faculties of social Science, Science and Commerce. However the marks obtained by the candidates in the faculty of social science will be converted according to the ratio of the maximum marks of the papers in three faculties.

Duration : 3 hrs. **Max Marks 65 (Arts/Com.)/ 75 (Sc.)**

1. Digestive system ruminats and its peculatities.
2. Physiological role and good nutriebts. Their digestion. importance of scientific feeding.
3. Nutritional requirement of farm animal for different purposes.
4. Common feeds and fodder and their nutritive value. Charcteristic of ideal ration.
5. Feeding pregnant, lactting animals. reeding bulls and bullocks.
6. Production of different types of grasses and forage making of hay and silage.
7. Formulation of cheap balanced ration for milk production.
8. Feeds supplement and additives.
9. Importance of scientific breeding, system of breeding.
10. Male and female reproductive system, development of organs and their function, role of endocrince glands
11. Sings of head and time of breeding.
12. Natural service and artificial insemination infertility in livestock.
13. Diagnosis of pregnancy.
14. General hints on selection, score card, performance pedigree and history sheets, culling.
15. Maintenance of breeding records.

LIVESTOCK & DAIRYING-PRACTICAL

Min Pass Marks: 26 (Arts/Com.)/ 27 (Sc.) **Max Marks 70 (Arts/Com.)/ 75 (Sc.)**
4 hrs. Duration

1. Study of external parts of animal, handling and securing of animal, hoof training
2. Castration, dehorning and throwing.
3. Devermination of body weight and age.
4. Recording of temperature, pulse and respiration of animals.
5. Administration of medicines through different routs.
6. Communication of ration, blending food, preparation of hay and silage.
7. Diagnosis of common ailments and first aid.
8. Collection of seman and artificial insemination.
9. Judging of animals on the basis of score card.
10. Washing dairy untensils. Milking of animals.
11. Learning and disinfection of dairy sheds.
12. Working out the building requirements for different animals.

कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम–प्रथम वर्ष

परीक्षा–2013

पशुधन एवं डेयरी

Min Pass Marks 54 Duration Max Marks 200 Min.Pass Marks

Scheme: Nomenclature	Sc. Dur.	Max./Min. Marks		Arts/Com. Max./Min. Marks	
Paper I	3 hrs	75	27	65	24
Paper II	3 hrs	75	27	65	24
Practical	4 hrs	75	27	70	26

Note: Common paper will be set for the faculties of social Science, Science and Commerce. However the marks obtained by the candidates in the faculty of social science will be converted according to the ratio of the maximum marks of the papers in three faculties.

प्रथम प्रश्न–पत्र– पशुपालन एवं पशुधन प्रबन्ध के सिद्धान्त

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक : 65 (कला/वाणिज्य)/75**

(विज्ञान)

1. भारत और राजस्थान में पशु संख्या तथा राजस्थान राज्य में कृषि जलवायु के आधार पर विभिन्न जाति के पशुओ का विभाजन।
2. राजस्थान राज्य की अर्थव्यवस्था में पषु उत्पादों का योगदान।
3. निम्नलिखित नसलों के पशुओं की विषेषताएँ :–
   - गाय – थारपाकर, हरियाणा, नागोरी, राठी, मेवाती, 'ाहीवाल, मलवीय, जर्सी, होलिस्टीन, फ्रीजियन, रेडडेन।
   - भैस – मुर्रा, सुरती, मेहसाना।
   - बकरी – सिरोही, अलवरी, बारबरी, जमुनापारी, बाटिल, मारवारी,।
   - भेड – सोनाडी, चोकला, बीकानेरी, मेरीनों, रेम्बूलेट।
   - ऊंट – जैसलमेरी, बीकानेरी।
   - मुर्गी – रोडआइस, रैड रेड, व्हाइट लेग हॉर्न, व्हाइट प्लेमाऊथ रोक।
4. गाय और भैस की सामान्य शरीर रचना तथा पशुओं का तापक्रम, नाडी की गति एवं 'वांसगति का अध्ययन।
5. पषुओं के लिए बाडे (पशुशाला) उनके लिए स्थान व भूमि का चुनाव भवन–निर्माण और बाडों की व्यवस्था एवं समूहन।
6. पशुओं की सामान्य देखरेख–खुरेश करना, व्यायाम करना, स्नान करना, मधुमति (पाली) में आई हुई गाय की पहचान, गर्भित करना, गर्भवती गाय की देखरेख, गाय के प्रसव के समय देखरेख एवं गायों का दूध सुखाना।
7. नवजात बछडों/बछडीयों देखरेख– उन्हें चिन्हित करना, सींग रोधक करना व बधियाकरण।
8. सांड, बकरी, भेड एवं मुर्गियों के प्रबन्ध के लिए कुछ आवष्यक जानकारी ।
9. डेयरी फार्म पर काम करने वाले यन्त्रों और बर्तनों की सफाई, पशुओं के बेकार पदार्थो को फार्म से हटाना (डेयरी फार्म की सफाई)
10. पशुओं में लगने वाले सामान्य रोग उनकी पहचान, उपचार एवं रोकथाम–
    1. नाभि का रोग 2. गर्भाशय भ्रंश 3. आफरा 4.बच्चों को सफेद दस्त लगना

5. थनैला रोग 6. मिल्क फीवर 7. थ्रैक्स 8. खुराक मुंह पक
9. गलघोटू 10. कालाज्वर
11. डाहोरिया (दस्त लगना) पशुओं में पाये जाने वाले आंतरिक व बाह्य परिजीवी।

11. पशु फार्म पर रखें जाने वाले रजिस्टर तैयार करना।
12. सरकार पशुधन विकास के लिए क्या–क्या कार्यक्रम व सुविधा उपलब्ध कार रही है।

द्वितीय प्रश्न–पत्र–पशु प्रजनन एवं खाद्य व्यवस्था के सिद्वान्त

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक : 65 (कला/वाणिज्य)/75 (विज्ञान)**

Note: Common paper will be set for the faculties of Social Science, Science and Commerce. However the marks obtained by the candidates in the faculty of social science will be converted according to the ratio of the maximum marks of the papers in three faculties.

1. जुगाली करने वाले पशुओं का पाचान तंत्र और उसकी विशेषताऐं।
2. पशु शरीर में पोषक तत्त्वों की विशेताऐं, उनका पाचन और वैज्ञानिक खाद्य पद्वति का महत्व।
3. विभिन प्रयोजनों के लिए पशुओं की पोशक आवश्यकताएं।
4. पशुओं को दिये जाने वाले सामान्य चारे व दाने एवं उनकी खाद्य महत्ता और एक आदर्श राशन के गुण।
5. गर्भवती गाय, दूध देने वाली गाय, पशु प्रजनन वाले सांड एवं कार्य करने वाले बैलों के लिए आहार निर्धारित करना।
6. विभिन प्रकार के चारे व घास उगाना तथा चारागाह तैयार करना, सूखी घास व साइलेज तैयार करना।
7. दुग्ध उत्पादन के लिए संतुलित आहार तैयार करना।
8. पशु खाद्य पदार्थों के पूरक एवं अतिरिक्त दिये जाने वाले पदार्थ व उनकी विशेषताऐं।
9. वैज्ञानिक प्रजनन की उपयोगिता एवं पशु प्रजनन की पद्धतियाँ।
10. नर व मादा पषुओं के जनन तन्त्र उनके मुख्य अंग, उनके कार्य एवं अन्तः स्त्रावी ग्रन्थियों की कार्य प्रणाली।
11. ऋतुमयी (पाली) में आयी गाय की पहचान एवं उनके गर्भवती कराने का समय ।
12. पशुओं में प्राकृतिक गर्भाधान व कृत्रिम गर्भाधान एवं पशुओं में बाँझपन।
13. गर्भवती गाय की पहचान।
14. पशुओं के चुनाव के लिए सामान्य बिन्दु जैसे गुणांक पत्र विधि द्वारा वंषवली व वृत्तपत्र विधि द्वारा पशुओं की छंटनी।

पशुधन एवं डेयरी व्यवसाय : प्रयोगात्मक

अवधि 4 घंटे **अधिकतम अंक : 70 (कला/वाणिज्य)/75 (विज्ञान)**

1. पशु शरीर के बाह्य अंगो की पहचान। पशुओं को काबू में करना व खुर छाँटना।
2. पशुओं में वाधियाकरण, सींग रोधन व चिन्हित करना।
3. पशुओं का शरीर भार और उम्र ज्ञान करना।
4. पशुओं की श्वासगति, नाडी की गति व तापक्रम ज्ञात करना।
5. पशुओं को विभिन्न विधियों से दवाई देना ।
6. पशुओं क लिए एक दिन के राशन की गणना करना है तथा साइलेज बनाना।
7. पशुओं की बीमारियों का पता लगाना व प्राथमिक उपचार।
8. वीर्य एकीकरण व कृत्रिम गर्भाधान ।
9. गुणांकन पत्र विधि के आधार पर पशु का निर्णय।
10. पशुशाला एवं डेयरी बर्तनो की सफाई।
11. पशुओं के लिए स्थान व भवनों की आवश्यकता की गणना।